NEWS CLIPPING: 09.12.2020

PUNJAB KESARI

जे.सी. बोस विवि और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के बीच करार

- विवि अध्ययन के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग-19 का 50 किलोमीटर हिस्सा अपनाएगा
- एनएचएआई द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को दी जाएगी इंटर्नशिप

राजमार्ग प्राधिकरण के साथ हुए समझौते के साथ कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग एवं अन्य। (छाया: एस शर्मा)

फरीदाबाद, 8 दिसम्बर (महावीर गोयल): राजमार्ग तथा परिवहन क्षेत्र में ज्ञान साझा करने तथा विद्यार्थियों को ढांचागत विकास परियोजनाओं में भागीदार बनाने के उद्देश्य से जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये है। समझौते के अंतर्गत, विश्वविद्यालय राजमार्ग और परिवहन क्षेत्र में नवीनतम रुझानों पर एनएचएआई के साथ ज्ञान एवं विशेषज्ञता को साझा करेगा, तथा अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के तहत विश्वविद्यालय अपने दायरे से 50 किलोमीटर तक के राष्ट्रीय राजमार्ग के हिस्से को अपनायेगा। दूसरी तरफ राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा विश्वविद्यालय के चयनित विद्यार्थियों को स्टाइपेंड के साथ इंटर्नशिप की सुविधा उपलब्ध करवाई जायेगी।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण साथ समझौते पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग ने कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. एम.एल. अग्रवाल और निदेशक इंडस्ट्री रिलेशन्स डॉ. रश्मि पोपली भी उपस्थित थीं। साझेदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कुलपति ने कहा कि यह समझौता सिविल इंजीनियरिंग विभाग के शोधार्थियों और विद्यार्थियों को उनके व्यावहारिक ज्ञान में सुधार करने और उन्हें रोजगार के लिए तैयार करने में मदद करेगा। इसके अलावा, उद्योग-संस्थान के बीच के अंतराल को समाप्त करने के साथ ही यह विद्यार्थियों को उद्योग में नवीनतम रुझानों से परिचित करवाने में भी मदद करेगा।

समझौता के अंतर्गत विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर विश्वविद्यालय से 20 किलोमीटर बाईं ओर (मथुरा की ओर) और 30 किलोमीटर दाएं (दिल्ली की ओर) के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों को अपनाना होगा। अपनाए गए खण्डों का उपयोग शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं द्वारा अध्ययन के क्षेत्र के रूप में किया जाएगा और इससे विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी राजमार्ग तथा परिवहन क्षेत्र में नवीनतम रुझानों से परिचित होंगे।

इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रो. अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा विश्वविद्यालय के 20 स्नातक और 20 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को इंटर्नशिप की सुविधा प्रदान करेगा और स्नातक के लिए 8000 रुपये और स्नातकोत्तर के लिए 15,000 रुपये के मासिक स्टाइपेंड का भुगतान भी करेगा। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा विश्वविद्यालय को प्रयोगशाला के लिए बुनियादी ढांचा विकसित करने में सहयोग दिया जायेगा। इसके अलावा, प्राधिकरण वैकल्पिक संसाधन सामग्री का उपयोग करते हुए सड़कों की गुणवत्ता में सुधार की प्रासंगिक अनुसंधान परियोजनाओं को प्रायोजित भी करेगा।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Wed,09 December 2020
Edition: faridabad kesari, Page no. 3

NEWS CLIPPING: 09.12.2020

HINDUSTAN

वाईएमसीए ने एनएचएआई से समझौता किया

सहमति

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

राजमार्ग तथा परिवहन क्षेत्र में ज्ञान हासिल करने के लिए और छात्रों को ढांचागत विकास परियोजनाओं में भागीदार बनाने के उद्देश्य से जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्विद्यालय , वाईएमसीए ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

समझौते के तहत विश्विद्यालय राजमार्ग और परिवहन क्षेत्र में नवीनतम रुझानों पर एनएचएआई के साथ ज्ञान एवं विशेषज्ञता को साझा करेगा और अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के तहत विश्विद्यालय अपने दायरे से 50 किलोमीटर तक के राष्ट्रीय राजमार्ग के हस्सि को अपनाएगा।

दूसरी तरफ राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से विश्विद्यालय के चयनित छात्रों को स्टाइपेंड के साथ इंटर्नशिप का मौका दिया जाएगा। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के साथ समझौते पर विश्विद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग ने कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. एमएल अग्रवाल और निदेशक इंडस्ट्री रिलेशन्स डॉ. रश्मि पोपली भी उपस्थित थीं। साझेदारी पर बोलते हुए कुलपति ने कहा कि यह समझौता सिविल इंजीनियरिंग विभाग के शोधार्थियों और छात्रों को उनके व्यावहारिक ज्ञान में सुधार करने और उन्हें रोजगार के लिए तैयार करने में मदद करेगा। इसके अलावा, उद्योग-संस्थान के बीच के अंतर को समाप्त करने के साथ ही यह छात्रों को उद्योग में नए रुझानों से परिचित करवाने में भी मदद करेगा।

8 से 15 हजार में इंटर्नशिप मिलेगी

समझौता के तहत विश्विद्यालय को राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर विश्विद्यालय से 20 किलोमीटर बाईं ओर (मथुरा की ओर) और 30 किलोमीटर दाएं (दल्लि की ओर) के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों को अपनाना होगा। अपनाए गए खंडों का उपयोग शक्षिकों एवं शोधकर्ताओं की ओर से अध्ययन के क्षेत्र के रूप में किया जाएगा और इससे विश्विद्यालय के विद्यार्थियों भी राजमार्ग तथा परिवहन क्षेत्र में नवीनतम रुझानों से परिचित होंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रो. अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से विश्विद्यालय के 20 स्नातक और 20 स्नातकोत्तर छात्रओं को इंटर्नशिप मिलेगी। साथ ही स्नातक के लिए 8 हजार और स्नातकोत्तर के लिए 15,000 रुपये के मासिक स्टाइपेंड का भुगतान भी करेगा। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से विश्विद्यालय को प्रयोगशाला के लिए बुनियादी ढांचा विकसित करने में सहयोग दिया जायेगा।

NEWS CLIPPING: 09.12.2020

THE PIONEER

जेसी बोस विश्वविद्यालय बनेगा देश के विकास में भागीदार

एनएचएआई देगा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को इंटर्नशिप

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राजमार्ग तथा परिवहन क्षेत्र में ज्ञान साझा करने तथा विद्यार्थियों को ढांचागत विकास परियोजनाओं में भागीदार बनाने के उद्देश्य से जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये है। समझौते के अंतर्गत, विश्वविद्यालय राजमार्ग और परिवहन क्षेत्र में नवीनतम रुझानों पर एनएचएआई के साथ ज्ञान एवं विशेषज्ञता को साझा करेगा, तथा अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के तहत विश्वविद्यालय अपने दायरे से 50 किलोमीटर तक के राष्ट्रीय राजमार्ग के हिस्से को अपनायेगा। दूसरी तरफ राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा विश्वविद्यालय के चयनित विद्यार्थियों को स्टाइपेंड के साथ इंटर्नशिप की सुविधा उपलब्ध करवाई जायेगी।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण साथ समझौते पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग ने कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. एमएल अग्रवाल और निदेशक इंडस्ट्री रिलेशन्स डॉ. रश्मि पोपली भी उपस्थित थीं। साझेदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कुलपति ने कहा कि यह समझौता सिविल इंजीनियरिंग विभाग के शोधार्थियों और विद्यार्थियों को उनके व्यावहारिक ज्ञान में सुधार करने और उन्हें रोजगार के लिए तैयार करने में मदद करेगा। इसके अलावा, उद्योग-संस्थान के बीच के अंतराल को समाप्त करने के साथ ही यह विद्यार्थियों को उद्योग में नवीनतम रुझानों से परिचित करवाने में भी मदद करेगा। समझौता के अंतर्गत विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर विश्वविद्यालय से 20 किलोमीटर बाईं ओर (मथुरा की ओर) और 30 किलोमीटर दाएं (दिल्ली की ओर) के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों को अपनाना होगा।

THE PIONEER

YMCA COLLABORATES WITH NHAI

Chandigarh: In order to share its knowledge on the latest trends in highway and transportation sector, and to instill a sense of contribution in building local infrastructure among the students, J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad has partnered with National Highway Authority of India (NHAI). According to this partnership, the University will share its knowledge with NHAI and adopt national highway stretches of about 50 kilometres under the University's social responsibility, and NHAI will offer internships with stipend to the students of the University.

NEWS CLIPPING: 09.12.2020

DAINIK JAGRAN

वाईएमसीए ने एनएचएआइ के साथ किया समझौता

जासं, फरीदाबाद : जेसी बोस विज्ञान (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत विश्वविद्यालय राजमार्ग और परिवहन क्षेत्र में नवीनतम रुझानों पर एनएचएआइ के साथ ज्ञान एवं विशेषज्ञता को साझा करेगा तथा विश्वविद्यालय अपने दायरे से 50 किलोमीटर तक के राष्ट्रीय राजमार्ग के हिस्से को अपनाएगा। दूसरी तरफ राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा विश्वविद्यालय के चयनित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के साथ इंटर्नशिप की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।

समझौते पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डा.सुनील कुमार गर्ग ने कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. एमएल अग्रवाल और निदेशक इंडस्ट्री रिलेशन्स डा.रश्मि पोपली भी उपस्थित थीं। समझौते के तहत विश्वविद्यालय राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर 20 किलोमीटर बाईं ओर (मथुरा की ओर) और 30 किलोमीटर दाएं (दिल्ली की ओर) के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग के खंडों को अपनाएगा। इन खंडों का उपयोग शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं द्वारा अध्ययन के क्षेत्र के रूप में किया जाएगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण विश्वविद्यालय के स्नातक व स्नातकोत्तर के 20-20 विद्यार्थियों को इंटर्नशिप देगा। स्नातक छात्रों को आठ हजार और स्नातकोत्तर के छात्रों को 15 हजार रुपये के मासिक स्टाइपेंड का भुगतान भी करेगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के साथ हुए समझौते के साथ जेसी बोस यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डा.एसके गर्ग, कुलपति प्रो.दिनेश कुमार, प्रो.एमएल अग्रवाल और डा.रश्मि पोपली। बाएं से दाएं ● सौजन्य यूनिवर्सिटी।

NEWS CLIPPING: 09.12.2020

AMAR UJALA

हाईवे के 50 किमी दायरे को अपनाएगा जेसी बोस विवि

विवि प्रशासन और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के बीच हुआ समझौता

अमर उजाला ब्यूरो

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत विश्वविद्यालय राजमार्ग और परिवहन क्षेत्र में एनएचएआई के साथ ज्ञान एवं विशेषज्ञता को साझा करेगा। वहीं सामाजिक जिम्मेदारी के तहत 50 किलोमीटर तक के हिस्से को अपनाएगा। इसकी एवज में एनएचएआई द्वारा विश्वविद्यालय के चयनित विद्यार्थियों को स्टाइपेंड के साथ इटर्नशिप की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के साथ समझौते पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. एमएल अग्रवाल और निदेशक इंडस्ट्री रिलेशन्स डॉ. रश्मि पोपली भी उपस्थित रहीं। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि यह समझौता सिविल इंजीनियरिंग विभाग के शोधार्थियों और विद्यार्थियों को उनके व्यावहारिक ज्ञान में सुधार करने और उन्हें रोजगार के लिए तैयार करने में मदद करेगा। समझौते के तहत विवि को राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर 20 किमी मथुरा व 30 किमी दिल्ली की ओर के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग खंड को अपनाना होगा। इसका उपयोग अध्ययन क्षेत्र के रूप में किया जाएगा। प्रो. एमएल अग्रवाल ने बताया कि एनएचएआई 20 स्नातक और 20 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को इंटर्नशिप की सुविधा प्रदान करेगा। स्नातक के लिए आठ हजार रुपये और स्नातकोत्तर के लिए 15 हजार रुपये के मासिक स्टाइपेंड का भुगतान भी किया जाएगा।

समझौते के दौरान अधिकारी।

एनएचएआई द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को दी जाएगी इंटर्नशिप सुविधा